

# दिविजय रत्नों ने बढ़ाया दिविजय महाविद्यालय का गौरव

राजनवीन (दाया)। इसपर्याप्त समर्पणीय दिविजय यात्रावाला महाविद्यालय में प्राचार्य दीन के एन. टाउर के मार्गदर्शन और जनभावेदी समीक्षा के अध्यक्ष हुम अहम लकड़ीय व आईपीयूसी समीक्षा के सम्मुख निटेजन में छठे में पहले बार किसी महाविद्यालय में इसे बढ़ा लगा जा सक्यिए गैरिक वा जारीजन किया गया। बड़े दिविजय-और्योगिक एवं भूतानुष्ठानिक सम्मेलन में प्रदेश के विधिव और्योगिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य सेवा में कामोत्त प्रशंसनीयिता ने महाविद्यालय के विद्यार्थी के लिए अनुदान दिया। विद्यार्थी महाविद्यालय की अपेक्षाकृति को बेहतर की दी गयी विवरित किया जा सकता साथ ही ऐकार और और्योगिक सेवा में इन्टरेक्शन दिनाने की प्रेरणा की गई।

कालीकम में अर्द्धव तुरा के दमदार बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नीन भक्त निर्माण हेतु, बलठोड़ा निर्माण भटिया (एम.टी. डिवी पर्सनल स्कूल एवं एस.) ने 11 लाख इकान करने की घोषणा की। जनभावेदी अध्यक्ष हुम अहम लकड़ीय ने लिये बहुकार बहादुर अली के लाभ 13 लाख 90 हजार ह. करने का असाध किया है। सुनील अहवाल एम.टी. डिवीकर त्रुप ने 5 लाख मानिय रुप. मोदी ने 5.1 लाख अनुदान को

## और्योगिक योट से प्राप्त हुआ लालों का अनुदान

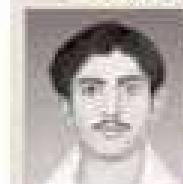


पोषण वी

महाविद्यालय के प्राचार्य दीन के एन. टाउर के मार्गदर्शन और जनभावेदी अध्यक्ष हुम अहम लकड़ीय व आईपीयूसी समीक्षा के सम्मुख इन्टेजन में छठे में पहले बार किसी महाविद्यालय में इसे बढ़ा लगा जा सक्यिए गैरिक वा जारीजन किया गया। बड़े दिविजय-और्योगिक एवं भूतानुष्ठानिक सम्मेलन में प्रदेश के विधिव और्योगिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य सेवा में कामोत्त प्रशंसनीयिता ने महाविद्यालय के विद्यार्थी के लिए अनुदान दिया। विद्यार्थी महाविद्यालय की अपेक्षाकृति को बेहतर की दी गयी विवरित किया जा सकता साथ ही ऐकार और और्योगिक सेवा में इन्टरेक्शन दिनाने की प्रेरणा की गई।

बढ़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सकत है। महाविद्यालय के प्राचार्य दीन के एन. टाउर के मार्गदर्शन और जनभावेदी अध्यक्ष हुम अहम लकड़ीय व आईपीयूसी समीक्षा के सम्मुख इन्टेजन में पहली बार किसी महाविद्यालय को इसी बढ़ी फट्टे पर

## आज दीर शहीद हेमू कालाणी शहादत दिवस



राजनवीन (दाया)। हिंद के दीर शहीद हेमू कालाणी की शहादत दिवस आज पूरे देश में मनाई जाती है। पूर्व विभीषि परिवार द्वारा अजग दीर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा के समान हेमू कालाणी भौम एवं उन्हें बहु सुख अविन लिया जाता है।

विभीषि परिवार के अध्यक्ष मनुजल मेहतानी ने बताया कि 10 वर्ष की अवधि में दीर शहीद हेमू कालाणी ने देश की सुरक्षा के लिये अपने प्राचीन लोकोत्तर कर दिया था। अजग पूर्व विभीषि परिवार द्वारा उन्होंने प्रतिमा पर मानवानी कर उन्हें बहु सुख अविन लिया जाएगा और लाख 6 लाखों में प्रधानी जलाकर उन्हें बाट किया जाएगा। पूर्व परिवार के वरिष्ठ मनुजल मेहता अहम तौलनामी, अतुरुद्धम परिवारी, यानवायामदाम यातानो ने सभी देशभक्त लोगों से उक्त अवसर पर उपर्युक्ती का अवकाश किया है।

और्योगिक दीर के भूत पूर्व विभीषि द्वारा प्राप्त हुई रिसाव उन्होंने महाविद्यालय को अप्रेसारण विकास एवं समर्पण के बेहतर तरीके से विकास करने में किया जाएगा। जनभावेदी समीक्षा अध्यक्ष हुम अहम लकड़ीय व आईपीयूसी समीक्षा के अध्यक्ष दीर शहीद जी की स्मरण महाविद्यालय के भूतानुष्ठान विधायक अध्यक्ष है, अजग जनभावेदी समीक्षा के अध्यक्ष के नद पर बार्च करते हुए उनके संपूर्ण प्रकारों से महाविद्यालय को और्योगिक दीरों से इसी बढ़ी तरीके का अनुदान प्राप्त हो सकती है।

दीर लकड़ीय व बार्च की बारी समीक्षा समय से इस बार्च दीरों का बार्च एवं जनभावेदी समीक्षा करने का लो थो, महाविद्यालय की अहमतावाली का विवरण दिया जाता है। हमें भूतानुष्ठानीय व और्योगिक सम्प्रेक्षण अर्थात् विवरण, विद्यार्थी परिवार एवं सम्प्रय महाविद्यालय की कारीब 16 लाख रुपये द्वारा उपर्युक्त द्वारा अजग दीर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा के समान हेमू कालाणी भौम एवं उन्हें बहु सुख अविन लिया जाएगा। विभीषि परिवार के अध्यक्ष मनुजल मेहतानी ने देश की सुरक्षा के लिये अपने प्राचीन लोकोत्तर कर दिया था। अजग पूर्व विभीषि परिवार द्वारा उन्होंने प्रतिमा पर मानवानी कर उन्हें बहु सुख अविन लिया जाएगा और लाख 6 लाखों में प्रधानी जलाकर उन्हें बाट किया जाएगा। पूर्व परिवार के वरिष्ठ मनुजल मेहता अहम तौलनामी, अतुरुद्धम परिवारी, यानवायामदाम यातानो ने सभी देशभक्त लोगों से उक्त अवसर पर उपर्युक्ती का अवकाश किया है।

## न्यूज डायरी

आईबी ग्रुप के एमडी अली ने दिविजय कॉलेज को दिये 14 लाख



राजनांदगांव, शासकीय स्कूलसी दिविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रहम अहमद शकोल सभा प्राचार्य ढा के, एल. टांडेकर के पहल पर आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु प्रदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य ढा के, एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रहम अहमद शकोल के मंत्रित प्रयास में महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रहम अहमद शकोल बो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व लाभसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके प्रयास में महाविद्यालय को इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है। महाविद्यालय के प्राचार्य ढा के, एल. टांडेकर ने अत्यंत हार्दिक बधाई करते हुए बताया कि पुरेश में पहली बार महाविद्यालय को इतनी बड़ी राशि प्राप्त हुई है। जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंचना विकास एवं संसाधनों के लेहतर दंग में विकसित करने में किया जाएगा।

दिग्विजय रत्नोंने बढ़ाया दिग्विजय महाविधालय का गौरव

राजनीतिक (दृष्टि)। नामकरण  
स्वतंत्रता के दिव्यवस्था सातवाहन  
महाराष्ट्रान्धन में पाचवी शुक्र के एवं  
ट्रिपुत्र के मासांधन और जनपदांधनों  
समिति के अध्यक्ष हनुम अठमद लक्ष्मी वा  
अद्यमासमें समिति के समुद्र निर्देश में  
प्रदेश में प्रदेश वार विस्तीर्णान्धन में  
इसे बड़े नाम या एवं विविध समिति का  
आलोचन किया गया। वहां दिव्यवस्था-  
औरतीयित एवं भूत्युक्त विस्तीर्ण सम्मेलन  
में प्रदेश के विभिन्न औरतीयित, राजनीतिक,  
जातीय एवं अन्य दलों में वाराणस  
भूत्युक्त विस्तीर्णों ने महाराष्ट्रान्धन के  
विकास के लिए अनुदान दिया। जिसमें  
महाराष्ट्रान्धन की अपेक्षारक्षण की वेतन,  
लोटों के विविध विकल्प तथा संबंधित सामग्री  
ऐक्यात्मा और औरतीयित के दो में इन्टरव्हिय  
विस्तार की खोला की गई।

कालीकरण में अद्वैती पुष्प के दमती बहादुर असौ ने 13 संवत् 90 हठवर नवीन भवन निर्माण किए, जलाशय निर्माण भवितव्य (प्रभु द्वारा विभिन्न लक्ष्यों पर ध्यान) ने 11 संवत् 90 दृष्टवर जलधारा की जलधारा असौ असौ दृष्टवर असौ असौ असौ ने जिसे जलधारा बहादुर असौ के मध्यम 13 संवत् 90 हठवर के दृष्टवर की असौ जिए हैं। मुख्यमन्त्री असौ असौ दृष्टवर असौ की असौ असौ असौ असौ ने 5 संवत् 90 मानिया गम्य मौनी ने 5.1 संवत् 90 असौ असौ की

औद्योगिक प्रीट से प्राप्त इमा लाखों का अनुदान



100

मानविकास के प्रयापी ही केंद्र, टोकोन और मानवीकृती अधिक रूप से अधिक लक्षण के मानव उत्तम से व्यवस्थित होने की आज बहुत ज्ञा पा द्वारा

बहुत यात्रा कर उन्नासन प्राप्त हो सकत है।  
यद्यपि विद्युतीय के प्राचीन ही के इन  
टारेक्टर ने अपने ही वाहन करते हुए  
वाचना कि प्रदूषन में विद्युतीय कार विद्युतीय  
विद्युतीय को इन्हीं बहुत ज़्यादा

आज वीर शहीद हेम कालाणी शहादत दिवस



**राजनीतिकांग (दास)**: दिल्ली के लोग शहरी देश में कल्पनाएँ की राजनीति विचार आज भी देश में मानदं जाते हैं। पुस्तकों में विचार स्थान अब जैव शहरी देश में कल्पनाएँ की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है जोकि यह उन्हें अपना समाज अवधिकार विचार जाता है।

मिथो वंशायात्र के अवधार मनवल मैटलनी ने बताया कि 19 वर्ष के आगे में वही जहांट हम कलानी ने देश को सुखाकर जोशायाकर कर दिया था। आज पूर्ण मिथो वंशायात्र द्वारा लक्षणांकन कर रहे वहां मुमन अविवत किया जाएगा और ताम 6 कर ऊर्ध्वे घट किया जाएगा। पूर्ण वंशायात्र के वरिष्ठ मनवलनाने अल्पुदाम वंशायात्री, यशवलयामदाम गवानाने ने भाभी देशभक्त एवं पुरुषसंघी का अवक्षण किया है।

और दोनों पांडे के भूमि विकासित हो गए हुए हैं। इसका उत्तराधीन विकास अपने सामाजिक विकास एवं सामाजिक नियंत्रण के बहार से विकास करने में किया जाता है। जनभागेश्वरी समिति अपना लौटी दृष्टि अहंकर लकड़ीयों और जीव स्वयं विकास के भूमिकृत लकड़ीयों अपना लौटी है, अब जनभागेश्वरी समिति के अपना का चर एवं काम करते हुए उसके संचयक प्रयत्नों से विकासित होने की दोनों पांडे से इन्होंने बहुत खुश का अनुदान ला ले गई है।

वै सर्वेत ये बाताएँ वही करनी लगीं  
समय से इस बार्थे खोजना जात्याच्या एवं  
जनभागिकांद्वारा धर्माभिन्न बाबरे कर ली थी,  
महाराष्ट्रानवीं की अल्पासक्तुकांडे का  
विस्तरणाना कार अंतिः ह्यांने भूतपूर्व  
विद्याली मंडीदीविहार सम्प्रेक्षण अर्पणित  
किंवा, विद्याले पौरीत्य उपकार  
महाराष्ट्रानवीं की कठीन 16 लाख सहि  
द्वां द्वां। उन्हा सम्प्रेक्षण में जनभागिकांद्वारा  
धर्मिता में इत्यादिय (मुख भाव), ये  
द्वांन, जननामाचन विहार लाल खोजनाकां, या  
मरीच वीरम, लैलेता गमटेके, घोडे बद्धां  
विहार, डिल्ल गोवाह, अमित चक्रवारी,  
झम्मन देवांग, असाल मोर्हे, चिरु  
अवधानी, शुभम वामार, इवोक वाम,  
मुखी अंतुका खोजकर, मुखी पुला सामालका  
का भी विवेष देवांदुन द्वां।

# दिग्विजय की बेहतरी के लिए आगे आए उद्योगपति

## पहली बार वाइब्रेंट सम्मेलन, मिले 11 लाख रुपये

राजनांदगांव। शासकीय स्वशासी में दिग्विजय स्मातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक “दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट” रहा। जिसका 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी, प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं, उन्हें महाविद्यालय की अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनसत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था।

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पवित्रक स्कूल राजनांदगांव), दामोदर दास मृदंजा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सर्युकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थर्मोकार्यर ग्रुप), अनिल बराडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), संजय चौधे (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनांदगांव), संतोष जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज

एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एम.डी. सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय

महाविद्यालय और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हैं हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। व्योगिक महाविद्यालय में

विद्यार्थियों को संख्या लगातार बढ़ रही है परंतु संसाधन सीमित है। संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां हैं, जिसे दूर किया जाना चाहिए। श्री भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की।

अन्य उद्योगपतियों ने भी महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू का आयोजन कराना सुनिश्चित किया। श्री मृदंजा ने औद्योगिक क्षेत्र में कौशल युक्त कामगरों कमी को उत्तम करने के लिए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा।



### फंड से भी ग्रेडिंग पाइंट मिलते हैं

एनएसी संयोजक डॉ. के. के. देवांगन ने बताया कि एल्यूमिनी मीट और भूतपूर्व है विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी एनएसी की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं, साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनल मिश्रा एवं डॉ. माजिद अली ने किया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को “दिग्विजय रत्न” से सम्मानित किया गया। अन्य उद्योगपतियों को “दिग्विजय गौरव” समृद्धि चिन्ह से सम्मानित किया गया। साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रहिंस अहमद शकील को “दिग्विजय” सम्मान दिया गया।

**बैगा-गुनिया समान, जड़ी-बुटी एवं शुद्ध धी से निर्मित सोठ लड्डू यहां मिलता है।**

**रतन दुकान**  
गोल बाजार, राजनांदगांव  
**79748-84259**

लाइसेंस नं. 8301745540



## ट्रैक्टर को मारी ठोकर, दुर्घटना में दो घायल

नर्पत ग्राम विजापुर मार्ग में हाईवा के खड़ी ट्रैक्टर को ठोकर मारने से 2 लोग घायल हो गए। हाईवा रगड़ की ओर आ रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाईवा CG08 AN 2876 ने विजापुर मार्ग पर जबरदस्त ठोकर मार दी। गिर्टी से भरी हाईवा घटनास्थल पर ही पलट गई। ट्रैक्टर में सवार टिकेरवर ने चोट आई है। 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉगरगड़ भेजा गया जहां उपचार जारी है।

## आ दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख रुपए

नवभारत रिपोर्टर। राजनांदगांव।

शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 दिसम्बर को प्राचार्य डॉ के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक "दिग्विजय बाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट" रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं। उन्हें महाविद्यालय के अधोसंचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था।

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया एम.डी. दिल्ली पक्षिक स्कूल राजनंदगांव, दामोदर दास मूंदडा एम.डी. कमल सल्विंट, सूर्यकांत गुप्ता एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट, कैलाश सोनी एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड, सुनील अग्रवाल एम.डी.थर्मोकेयर गुप्त, अनिल बरडिया प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चैबर ऑफ कॉमर्स, संजय चौबे प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, शरद अग्रवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, सूरज खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव, संजय जैन सावा अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एमोसिएशन, सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स, विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल.टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

## ज वेदिका खेलेंगी राष्ट्रीय स्पर्धा

द्वारा  
तीरीय  
संवर  
लाल  
गांव  
में  
पिता  
माँ में  
रीता  
के



समय में एक अच्छे तीरंदाजी खिलाड़ी के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है जिसे देखते हुए भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में उल्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद है।

**कालड़ा बर्न एवं**  
**प्लास्टिक कॉर्सेटिक सर्जरी सेंटर**  
**सफेद दाग**

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख

## वाइब्रेंट दिग्विजय सम्मेलन में शामिल हुए शहर के बड़े-बड़े उद्योगपति

राजनांदगांव (दावा)। श. स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गत 24 दिसंबर को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'दिग्विजय वाइब्रेंट-आईयॉगिक एवं एल्यूमिनी मीट' रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया, दामोदरदास मूंदडा (एम.डी. कमल सॉल्वेट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेझ प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी. रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थमोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड



इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खण्डेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनांदगांव), संजय जैन साबा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्घोषन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर

बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, परंतु संसाधन सीमित है, संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां हैं, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

बलदेव सिंह भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया। दामोदरदास मूंदडा ने औद्योगिक क्षेत्र में कौशल युक्त कामगारों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में

भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में सम्मिलित हो सकेगा। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद संयोजक डॉ. के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले पंड से भी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनल मिश्रा एवं डॉ. माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को 'दिग्विजय रत्न' से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को 'दिग्विजय गौरव' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील जी को 'दिग्विजय श्री' सम्मान दिया गया। उक्त कार्यक्रम में आईक्यूएसी समिति के सदस्य डॉ. डीके वर्मा, गुरप्रीत सिंह भाटिया, चिरंजीव पाण्डेय, रागिनी पराते समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

८ जानू. १९७२ का नवपत्र सानुदार्यक स्पार्स्प कन्द्र डिविशन ने जगा गया जहाँ उपयार जारा है।  
नवभ्रा१२त २७-१२-७२

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख रुपए

नवभारत रिपोर्टर | राजनांदगांव।

शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 दिसम्बर को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक "दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट" रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं। उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था।

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव, दामोदर दास मूंदडा एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट, कैलाश सोनी एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड, सुनील अग्रवाल एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप, अनिल बरडिया प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, संजय चौबे प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, शरद अग्रवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, सूरज खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव, संजय जैन सावा अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स, विनोद बोहरा (एम.डी. महाबीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख

**वाइब्रेंट दिग्विजय  
सम्पेलन में शामिल  
हुए शहर के बड़े-बड़े  
उद्योगपति**

राजनांदगांव (दावा)। शा. स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गत 24 दिसंबर को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईव्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'दिग्विजय वाइब्रेंट-ओद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट' रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं, उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया, दामोदरदास मूदा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजगाम मेंझ प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी. रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थमोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश सरक्षक छत्तीसगढ़ चेबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे (प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेबर ऑफ कॉमर्स एण्ड



इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खड़ेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेबर ऑफ कॉमर्स राजनांदगांव), संजय जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील घंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कस्टर्कशन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्घोषण में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर

बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, परंतु संसाधन सीमित है, संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमिया है, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

बलदेव सिंह भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया। दामोदरदास मूदा ने औद्योगिक क्षेत्र में कौशल युक्त कामगारों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईव्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साह प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में

भी अग्रणी महाविद्यालय की त्रिणी में में सम्मिलित हो सकेगा। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद संयोजक डॉ. के.के. देवराम ने बताया कि एल्यूमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनल मिश्रा एवं डॉ. मार्जिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को 'दिग्विजय रव' से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को 'दिग्विजय गौरव' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष इंस अहमद शाकील जी को 'दिग्विजय श्री' सम्मान दिया गया। उक्त कार्यक्रम में आईव्यूएसी समिति के सदस्य डॉ. डी.के. वर्मा, गुरुप्रीत सिंह भाटिया, चिरंजीव पाण्डु, रागिनी पराते समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।